[Mr. Speaker]

views have been expressed in the matter. Attribution of any motive is wholly improper because I have been guided by the precedents. The precedents have been brought to my notice and the precedents have been created at a time when my friend here was a member of the Council of Ministers... (*Interruptions*) During the time when he was a Member of the Council of Ministers this precedent was laid down saying that such questions should not be allowed. That is the precedent. I am guided by the precedents and normally they are binding.

SHRI C. M. STEPHEN: Precedents are laid down by the Speaker and not by the Council of Ministers.

MR. SPEAKER: That is why I said 'at that time'. Now that you have expressed your opinions, I, for one, have absolutely no objection. For that matter, for your information, I may tell you that I myself belong to a backward class. Therefore do not be under that impression. Mr Qureshi thinks he is having the monopoly of belonging to backward class; he is not; I am not going to allow him that monopoly. I also belong to the backward class.

13 hrs.

SHRI SOMNATH CHATTERJEE (Jadavpur): You are good enough to observe that you will re-consider it. I will just take only one minute. You said that if the question was put with regard to the minorities of the entire service you will alow it, but if the question is with regard to a part of the country, then you would not allow it. It is a very sensitive subject and I would request you to reconsider it and you should not be bound by precedents.

श्री हुकम चन्द कछवाय (उज्जैन) : अध्यक्ष जी, 1 बज गया खाने की छुट्टी कीजिये ।

13.02 hrs.

The Lok Sabha adjourned for lunch till Fourteen of the Clock.

The Lok Sabha re-assembled after lunch at five Minutes past fourteen of the Clock.

[MR. DEPUTY SPEAKER *in the Chair*]

MATTERS UNDER RULE 377

(i) IMPENDING CLOSURE OF PATNA-CHUNAR COMMERCIAL STEAMER SERVICE.

डा० रामजी सिंह (भागलपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं नियम 377 के अन्तर्गत एक विशेष लोक महत्व के प्रश्न पर आप का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि पटना चुनार व्यापारिक स्टीमर सेवा के बंद हो जाने की आशंका है और उस से वहां मजदूर तो बेकार होंगे ही, साथ साथ जो जनता को उस से लाभ हो रहा है उस से भी जनता वंचित हो जायगी। भगवती कमेटी की रिपोर्ट में चुनार से लेकर पटना तक जो व्यापारिक स्टीमर सेवा है उस का सर्वेक्षण किया गया है और बताया गया है कि इस से कितना लाभ है । पटना से बलिया तक रेलवे से 379 किलोमीटर है, सड़क से 407 और पानी से केवल 130 है । उसी तरह से पटना से छपरा के बीच में रेल से 314 किलोमीटर, सड़क से 268 लेकिन जल से केवल 80 किलोमीटर है । भागलपुर से काढ़ागोला तक रेलवे से जायं तो 130 किलोमीटर, सड़क से जाये तो 265 किलोमीटर और जल से जायं तो केवल 70 किलोमीटर है ।

तो हम सरकार से यह आग्रह करना चाहेंगे कि इस इनलैंड वाटर ट्रांसपोर्ट को बंद नहीं किया जाना चाहिए । भगवती कमेटी की रिपोर्ट जो 1970 में दी गई थी उस में जो कुछ संस्तुतियां की गई थीं उन की ओर से भी सरकार ने अपना ध्यान मोड़ लिया है और इस के कारण सरकार ने यह भी ध्यान नहीं दिया है कि व्यापारिक संघों ने क्या सुझाव दिया है । बिहार चेम्बर आफ कामर्स ने भी सरकार से निवेदन किया है कि यह

सेवा बंद न की जाय क्यों कि इस से लोगों को सामान लाने ले जाने में बहुत सुविधा होती है। यही नहीं, बिहार के मुख्य मंत्री ने भी 9 जनवरी को यहां की शिपिंग और ट्रांसपोर्ट मिनिस्ट्री को लिखा है कि यह जल परिवहन बंद नहीं होना चाहिए। लेकिन फिर भी वह हो रहा है। इस से तत्काल 150 मजदूर बेकार हो जाएंगे और जनता को बहुत तकलीफ होगी।

इस सेवा को बन्द करने के पीछे एक गहरी साजिश है जिस का उल्लेख भगवती कमेटी ने भी किया है और वह यह है कि प्राइवेट स्टीमर सेवा प्राइवेट रूप से चालू है और वह चाहती है कि सरकारी जल सेवा बन्द हो जाय ताकि वे जनता को अच्छी तरह से लूट सकें। इसीलिए एक सर्वांग कल्याणकारी दृष्टिकोण से और समाजवादी दृष्टिकोण से यह आवश्यक है कि इस इनलैंड वाटर ट्रांसपोर्ट को जारी रखा जाय। इस संबंध में मैं इतना ही कहूंगा कि वहां के इनलैंड वाटर ट्रांसपोर्ट एम्पलायीज यूनियन की तरफ से भी सरकार को ज्ञापन दिया गया है। बिहार के मुख्य मंत्री ने भी लिख कर दिया है, बिहार के चैम्बर आफ कामर्स ने दिया और 14 मांगों की ओर ध्यान आकर्षित किया गया है जिस में यह है कि इसको जारी रखा जाय, स्टाफ की छटनी न की जाय और यही नहीं, जिस तरह से भगवती कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में दिया है, यह जो रेगुलराइजेशन आफ पटना चुनार कामर्शियल सर्विस है इस को किसी भी स्थिति में बंद न करें। प्राइवेट स्टीमर और प्राइवेट एल सी टी सर्विस जो है उस को भी बंद किया जाय ताकि सरकारी जल सेवाओं को ज्यादा से ज्यादा लाभ हो सके। और भी बहुत सारी बातें है जैसे गंगा को नेशनल 'वाटरवेज' घोषित करने की भी उस में सिफारिश की गई है। यही नहीं आइ डब्लू टी कमेटी की जो रिपोर्ट 1970 की है उस में यह भी बताया गया है कि सेंट्रल टेकनिकल आर्गेनाइजेशन इस प्रकार से बने ताकि जल के द्वारा परिवहन का काम चलता रहे। उस की मितव्ययता को देखते हुए, उस के द्वारा जनता को जो लाभ होता है, उस लाभ को देखते हुए, उस को जारी रखा जाय।

उपाध्यक्ष महोदय, इसी लिये मैं इस के द्वारा सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि पटना-चुनार व्यापारिक स्टीमर सेवा हरगिज बंद नहीं होनी चाहिये।

(ii) REPORTED ACCIDENT WITHIN THE COMPLEX OF BHARAT HEAVY ELECTRICALS LTD. TIRUCHIRAPALLI.

SHRI M. KALYANASUNDARAM (Tiruchirapalli): Sir, I want to draw the attention of the House to a very serious accident that had taken place within the complex of the Bharat Heavy Electricals Ltd., Tiruchirapalli on the night of 18th February. Sir, on the spot 2 workers died and 84 workers are still in the hospital. The third worker died two days ago in the hospital. Thus the total number of deaths has come to 3 and 81 workers are very seriously injured. Some of them, I fear, will be permanently disabled; they are still in hospistal. The accident is due to a bus carrying the BHEL workers dashing against the BHEL loco—it is not a railway loco—running within the complex of the BHEL complex. It is a road meant for road traffic. There is a level crossing. There are gates on both sides. The gates were open, the loco was on the road, that is, on the railway line on the level-crossing. That is how the bus dashed. The bus had simply collapsed, even the loco was derailed. It shows the speed with which the bus was also running. It is a very serious accident. The workers in that factory are very much purturbed as a result of this accident. They tried to persuade the management to run their own bus between the factory and the city for safe travel from